क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं : कुलराज रंधावा

- एसडी कॉलेज में 'व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को 'व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमैटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढ ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

क्लासरूम कभी किसी प्रोफैशनल को मूवी सैट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं : कुलराज रंधावा

चंडीगढ़, 1 अप्रैल (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को 'व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता सांझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय कैरियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी

सैक्टर-32 एसडी कॉलेज में वर्कशॉप दौरान अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा का सम्मान करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा। (छाया : गुरिंदर सिंह)

तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमेटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
02-Apr-2025
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20250402/20/5/1_1.cms

Arth Parkash 2-4-25

क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं: कुलराज रंधावा

एसडी कॉलेज में 'व्यक्तिगत विकास- अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को %व्यक्तिगत विकास- अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण% शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमेटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं : कुलराज रंधावा

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को व्यक्तिगत विकास- अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए।

JAPAN CANADA BEIGIUM INDIA

ਬੋਲ ਪ੍ਰਦੇਸਾਂ ਦੇ

ਮੁੱਖ ਸੰਪਾਦਕ: ਰੁਪਿੰਦਰ ਜੋਧਾਂ ਜਾਪਾਨ

03.04.2025 bolpardesade@Gmail.Com +81 8011 222535

Reg.No. : PB-12-0210588 ਸਾਲ: 1 ਅੰਕ: | ਸੰਪਾਦਕ: ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੈਲਜੀਅਮ +32 498 518604 | ਮੁੱਖ ਸਲਾਹਕਾਰ - ਰਾਜਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਸੰਧੂ

ਜਰੂਰੀ ਸੂਚਨਾ

ਅਦਾਰਾ ਬੋਲ ਪ੍ਰਦੇਸਾਂ ਦੇ ਨੂੰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਹਰ ਜ਼ਿਲੇ ਤੋਂ ਪੱਤਰਕਾਰਾਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ| ਰੁਪਿੰਦਰ ਜੋਧਾਂ ਜਾਪਾਨ +818011222535

ਜੀਜੀਡੀਐਸਡੀ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੀ ਐਕਟਿੰਗ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਕੀਤੀ ਸ਼ਿਰਕਤ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ (ਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ/ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ ਰੋਹਟੀ ਖਾਸ) ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਚਾਰ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 'ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ:' ਸਿਰਲੇਖ ਵਾਲੀ ਇੱਕ ਦਿਲਚਸਪ ਅਤੇ ਸੂਝਵਾਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ 'ਐਕਟਿੰਗ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ' ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਫ਼ਿਲਮੀ ਅਦਾਕਾਰਾ ਅਤੇ ਲੇਖਿਕਾਂ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਤਾ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਮੁਹਾਰਤ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਹਨਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਹੋਏ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਅਤੇ ਸੰਚਾਰ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਬਿਹਤਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ। ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਅਤੇ ਅਦਾਕਾਰੀ ਕਰੀਅਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਦਿਲਚਸਪ ਕਿੱਸੇ ਸੁਣਾਏ ਅਤੇ ਉਸਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਝਾਇਆ ਕਿ ਸੰਘਰਸ਼ ਦਾ ਦੌਰ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਬਣਾ ਜਾ ਤੋੜ ਵੀ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਆਪਣੀ ਜਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸਫਲ ਹੋਣ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਸ਼ਾਰਟਕੱਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਖ਼ਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਕਦੇ ਵੀ ਇੱਕ ਪੇਸ਼ੇਵਰ ਨੂੰ ਫਿਲਮ ਸੈੱਟ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰੈਕਟਿਕਲ ਵੀ ਬਹੁਤ ਜਰੂਰੀ ਹੈ! ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਕਲਾਵਾਂ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਵਿੱਚ ਮੋਬਾਈਲ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ ਪ੍ਰੋ. ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਰਚਨਾਤਮਕ ਲਿਖਤ ਲਈ ਜਾਣਕਾਰੀ, ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਬੁੱਧੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲਿਖਤ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੈੱਟ 'ਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ ਸੰਗਠਨ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮਾਈਕ੍ਰੋਡਰਾਮਾ ਅਤੇ ਹੋਮ ਥੀਏਟਰ ਵਰਗੇ ਨਵੇਂ ਰੁਝਾਨ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਸਪੇਸ 'ਤੇ ਹਮਲਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਰਾਹੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਅਦਾਕਾਰੀ ਤਕਨੀਕਾਂ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ, ਸੰਵਾਦ ਲਿਖਣ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ। ਹਾਜ਼ਰੀਨ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸ, ਸਵੈ-ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਅਤੇ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ ਦੀ ਸਮਝ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਇੰਟਰਐਕਟਿਵ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ, "ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਮੀਡੀਆ, ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਸੁਧਾਰ ਦੇ ਸੰਗਮ ਦੀ ਪੜਚੋਲ ਕਰਨ ਦਾ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਮੌਕਾ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਅਤੇ NZFTCWA ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੱਸੀ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੁਵਾਰਾਂ ਦਿੱਤੀ ਅੱਜ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੀ ਤਕਨੀਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਰਾਹ ਵੱਲ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਉਦਯੋਗ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਤੋਂ ਸਿੱਖਣ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਨਮੋਲ ਸੂਝ ਮਿਲੀ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰੀਅਰ ਅਤੇ ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਏਗੀ। ਇਸ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਉਂਦੇ ਹੋਏ, ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮੁੱਖੀ ਡਾ. ਪ੍ਰਿਆ ਚੱਢਾ ਨੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਡਿਜੀਟਲ ਯੁੱਗ ਵਿੱਚ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣਾ ਇੱਕ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸਾਧਨ ਹੈ ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਨੇ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਤੋਂ ਪੂਰੇ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਸਸ਼ਕਤ ਬਣਾਇਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸੀ ਸੰਚਾਰਕ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਚਿੰਤਕ ਬਣਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਹਾਰਕ ਅਨੁਭਵ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਨਾਲ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਅਤੇ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਫੀਡਬੈਕ ਦੇ ਨਾਲ, ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਮੀਡੀਆ, ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਕਰੀਅਰ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵਾਂ ਤਜਰਬਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ, ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਯੰਗ ਕਮਿਊਨੀਕੇਟਰਜ਼ ਕਲੱਬ ਦੀਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟਾਂ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤੇ ਗਏ।

चीन में जारी माइक्रो-ड्रामा ट्रेंड भारत के ओटीटी में भी दिखेगा

Talk on Film-Making

मंगलवार को चंडीगढ़ सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में एक्टिंग टेक्नीक्स और फिल्म-मेकिंग पर सेशन में एक्ट्रेस कुलराज रंधावा और फिल्ममेकर व प्रो. पीएस निरोला ने स्टूडेंट्स के साथ इंटरेक्ट किया।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

कंटेंट पर ध्यान देने की जरूरत... एक्ट्रेस कुलराज रंधावा ने एक्टिंग से जुड़ने पर बताया - मुझे याद है जब मैंने करीना करीना सीरियल से शुरुआत की थी। इसमें मुझे सोलह घंटे काम करना पड़ता था रोजाना और मेरा एक साल का कान्ट्रेक्ट रहा। सीरियल में काम करना आसान नहीं था। इसके बाद जब मैंने फिल्मों में शुरुआत की तो यह अच्छा अनुभव रहा क्योंकि अच्छे कंटेंट को चुना। इसलिए आप जब एक्टिंग से जुड़े तो अच्छे कंटेंट और अच्छे प्रोडक्शन हाउस का खयाल रखें। क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते, इसलिए बतौर इंसान जितना बेहतर तरह से खुद को और समाज को समझेंगे, उतना ही अलग-अलग कहानियां और किरदार समझ आएंगे। जल्द ही मैं एक्टिंग के अलावा कैमरा के पीछे काम करती नजर आऊंगी। मेरा मानना है कि हमें ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

इस समय फिल्म-मेकिंग में माइक्रो ड्रामा का ट्रेंड जारी है। इसे चीन ने इंट्रोड्यूस किया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए दो-दो मिनट की फिल्म बनाई जाने लगी है क्योंकि लोगों की ध्यान देने की क्षमता कम हो रही है और एंटरटेन होने का समय भी। यह बताया फिल्ममेकर व प्रो. पीएस निरोला ने मंगलवार को चंडीगढ़ सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज में एक्टिंग टेक्नीक्स और फिल्म-मेकिंग पर सेशन के दौरान। इसे कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट की ओर से करवाया गया। इसमें एक्ट्रेस कुलराज रंधावा और फिल्ममेकर व प्रो. पीएस निरोला ने स्टूडेंट्स के साथ इंटरेक्ट किया। माइक्रो ड्रामा को लेकर प्रो. निरोला ने आगे बताया- चीन में वेबसीरीज की ड्यूरेशन दो मिनट हो गई है। लोगों को यह काफी पसंद आ रहा है। भारत में अभी यह नहीं आया है। मगर जल्द ही भारत की वेबसीरीज में तीस से साठ सेकेंड के बीच सिमटने लगेंगी क्योंकि लंबी चलनी वाली कहानियों को लोग कम ही देख पाते हैं। कहानी जितनी छोटी होगी, उसे लिखना और दिखाना उतना ही चुनौतिपूर्ण भी होगा। जैसे हर दिन नए ट्रेंड आते रहते हैं, ठीक वैसे ही फिल्म-मेकिंग और स्टोरीटेलिंग के ट्रेंड भी बदलते रहते हैं। पहले कहानी की शुरुआत में किरदार के बारे में बताया जाता था, फिर टकराव दिखाते थे और बाद में उस झगड़े का समाधान दिखा देते थे। मगर, आज की स्टोरीटेलिंग में नए ट्रेंड जारी हैं। अब कहानी की शुरुआत से ही टकराव दिखाने लगे हैं। एक्टिंग टेक्नीक्स को लेकर प्रो. पीएस निरोला ने बताया- जब भी हम एक्टिंग में तकनीक की बात करते हैं तो तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं। यह हैं कंसंट्रेशन यानी धैर्य, ऑब्जर्वेशन यानी आस-पास के माहौल को देखना और समझना, इमेजिनेशन यानी सोचने की क्षमता। इसके साथ बॉडी लैंग्वेज को समझना होता है क्योंकि किरदार क्या कहना चाहता है, कह रहा है या कहेगा आदि कई बातें कलाकार की बॉडी लैंग्वेज में देखने को मिलती हैं। इसे अभ्यास से ही सीखा जा सकता है। इसके साथ ही डायलॉग राइटिंग पर भी बात हुई। इसे लेकर प्रो. निरोला ने स्टूडेंट्स को समझाया- अच्छा लिखने के लिए भाषा की समझ तो होनी ही चाहिए, मगर इससे पहले समझ होनी चाहिए। इसके लिए आपको अपनी पर्सनल डेवलेपमेंट पर ध्यान देना होगा। यह पर्सनैलिटी डेवलेपमेंट से अलग है। इसमें आपको अपनी सोच पर काम करना होगा। जब भी फिल्म पर सीन लिखते हैं तो दो बातों का ध्यान रखें। पहला- या तो किरदार के बारे में बताएं या फिर कुछ ऐसा लिखें जो कहानी को आगे बढ़ाने में मदद करे।

Daimik Savera Times 2-4-25

क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफैशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते : कुलराज रंधावा

एसडी कॉलेज में व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

सवेरा न्यूज /नीना

चंडीगढ़, 1 अप्रैल : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पोस्ट ग्रैजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफैसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफैशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

Daimik Tribune 2.4.25

बदलते समय के साथ बैठाएं तालमेल : कुलराज

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 1 अप्रैल (हप्र)

गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज, चंडीगढ़ के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के स्नातकोत्तर विभाग ने आज 'व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से आकर्षक और ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध एक्टर, लेखक कुलराज रंधावा और फिल्म निर्माता प्रो. पीएस निरोला शामिल हुए। इन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े दिलचस्प किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। उन्होंने कहा -हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। हमें नयापन लाना चाहिए और ऐसी सामग्री बनानी चाहिए जो बाकी लोगों से अलग हो। प्रो. निरोला ने उल्लेख किया कि रचनात्मक लेखन के लिए जानकारी, ज्ञान और समझदारी की आवश्यकता होती है।

क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं- कुलराज रंधावा

एसडी कॉलेज में *व्यक्तिगत विकासः* अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण% शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

देश प्यार : चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को %व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण% शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमेटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

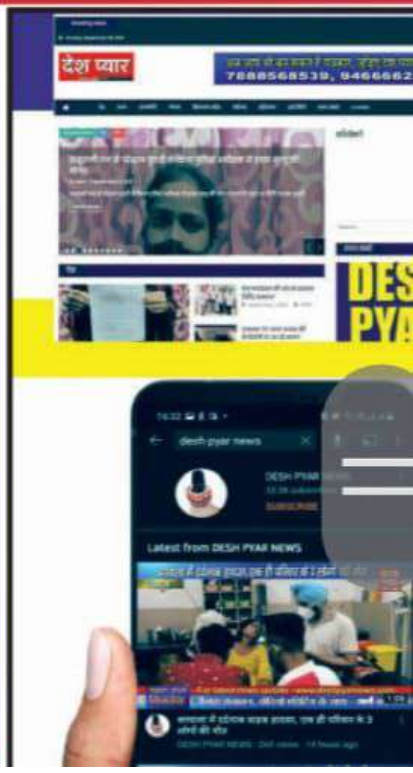

एसडी कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल ने आइडिया फोर्ज 25 से उद्यमशीलता उत्कृष्टता को दिया बढ़ावा

आइडिया फोर्ज 25 के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों के नेतृत्व में आयोजित हुईं चर्चाएं और व्यावहारिक कार्यशालाएं

चण्डीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। सेक्टर 32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से आइडिया फोर्ज 25 का आयोजन किया गया, जो नवाचार और उद्यमशीलता उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए था। इस दौरान हुए विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों के नेतृत्व में चर्चाएं और व्यावहारिक कार्यशालाएं शामिल थीं, जो प्रतिभागियों को अत्याधुनिक व्यावसायिक कौशल से लैस करने के लिए तैयार की गई थीं। विविध पृष्ठभूमियों के 100 से अधिक छात्रों और उभरते उद्यमियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने संस्थान की 'ग्रीन वेलकम' पहल के तहत वक्ताओं का पौधे देकर स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देने में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और व्यावसायिक नवाचार को आगे बढ़ाने में उद्योग-शैक्षणिक सहयोग के महत्व पर बल दिया।

दिन की शुरुआत प्रसिद्ध ह्यूमन कैपिटल ट्रांसफॉर्मेशन एंड चेंज मैनेजमेंट कंसल्टेंट हितेश गुलाटी द्वारा आयोजित एक कार्यशाला से हुई। उनके सत्र, ÷बीएमसी कार्यशाला- एक मजबूत बिजनेस मॉडल कैनवास का निर्माण÷, ने उपस्थित लोगों को व्यवहार्य और टिकाऊ व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान की। प्रतिभागियों ने ऐसे अभ्यासों में भाग लिया जिनमें वैल्यू प्रोपोजिशंस, कस्टमर सेगमेंटशन, रेवेन्यू जेनरेशन स्ट्रेटजिस तथा व्यवसाय की मापनीयता के लिए आवश्यक प्रमुख साझेदारी गतिशीलता जैसे महत्वपूर्ण तत्वों पर जोर दिया गया। बिजनेस मॉडल विकास कार्यशाला के बाद कार्यक्रम एक उच्च-प्रभावी पैनल चर्चा में परिवर्तित हो गया, जिसका शीर्षक था ÷भारतीय उद्यमियों के लिए रोडमैप- स्टार्टअप इकोसिस्टम को आगे बढ़ाना।÷ इस सत्र में उद्योग जगत के कई प्रतिष्ठित दिग्गज एक साथ आए, जिन्होंने भारत के उभरते उद्यमशीलता परिदृश्य के बारे में अपने विविध अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। दुर्गा सीड्स के मैनेजिंग पार्टनर करण महाजन ने कृषि व्यवसाय नवाचार और उद्यमिता में टिकाऊ प्रथाओं की भूमिका पर चर्चा की।नियो प्रोजेक्ट के सह-संस्थापक और आर के मेडिक्स और फूप्रो इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के पार्टनर रजत मल्होत्रा ने इंडस्ट्रियल थ्रेड डिस्ट्रीब्यूशन और प्रोस्थेटिक्स मार्केटिंग में अपने 30 से अधिक वर्षों के अनुभव का लाभ उठाते हुए व्यवसाय विस्तार में अनुकूलनशीलता पर प्रकाश डाला। पाइरेट्स ऑफ ग्रिल के संस्थापक अरविंदर सिंह ने खाद्य एवं आतिथ्य उद्योग में उद्यमों के विस्तार पर विशेषज्ञता प्रदान की। प्रो अल्टीमेट जिम्स के संस्थापक अभिषेक गगनेजा ने फिटनेस क्षेत्र में ब्रांड विभेदीकरण के महत्व पर जोर दिया। पनाकोट्टास के सह-संस्थापक अर्जुन के पजनी और प्राक्षी ने उपभोक्ता-केंद्रित व्यवसायों को बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने की रणनीतियों को साझा किया।

आयोजन एसडी कॉलेज में व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं: रंधावा

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए। प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया।

निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमैटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

जीजीडीएसडी कॉलेज ने कुलराज रंधावा के साथ अभिनय और फिल्म निर्माण कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया

चंडीगढ़। गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज, चंडीगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के स्नातकोत्तर विभाग ने आज %व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण% शीर्षक से एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेता और लेखक कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रो. पी.एस. निरोला शामिल हुए, जिन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की, जिससे वे प्रेरित हुए और रचनात्मक और संचार कौशल से बेहतर तरीके से सुसज्जित हुए।

सुश्री रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। -कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।- उन्होंने आगे कहा कि कक्षाएँ कभी भी किसी पेशेवर को फिल्म सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकती हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल प्रौद्योगिकी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, -किसी को भी बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। किसी को भी ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकी लोगों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।-

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए जानकारी, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से दर्शकों की जिज्ञासा बढ़नी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। श्री निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। कार्यशाला में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। उपस्थित लोगों ने अपने आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमाई कहानी कहने की समझ को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कार्यशाला की सफलता की सराहना करते हुए कहा, -यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पी.एस. निरोला जैसे उद्योग के पेशेवरों से सीखने से उन्हें अमूल्य अंतर्दृष्टि मिली है, जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी।-

उत्साह को दोहराते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा, -आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली साधन है। इस कार्यशाला ने हमारे विद्यार्थियों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वास से भरे संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है।

छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर पाकर विशेष रूप से रोमांचित महसूस हुआ। भारी भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ, कार्यशाला मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए एक कदम साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और युवा संचारक क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सुखबीर बादल पर गोली चलाने वाले आतंकवादी चौड़ा की ज़मानत रद्द करवाने को लेकर डीजीपी को भेजी शिकायतः वीरेश शांडिल्य

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा सुखबीर बादल पर दरबार साहिब में गोली चलाने वाले आतंकवादी नारायण सिंह चौडा की जमानत का विरोध पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट तक करना चाहिए

अंबाला। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने पंजाब के मुख्यमंत्री सहित डीजीपी पंजाब को पत्र लिखकर बब्बर खालसा के आतंकवादी व बुड़ैल जेल ब्रेक के मास्टर माइंड नारायण सिंह चौड़ा की जमानत रद्द करवाने को लेकर उच्च अदालतों का दरवाजा खटखटाना चाहिए क्योंकि चौड़ा जैसे आतंकवादी पंजाब व देश की अमन व शांति के लिए बड़ा खतरा है बल्कि हिन्दु सिख भाई चारे को भी कमजोर करने की साजिश रच रहे है। वीरेश शांडिल्य आज पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिस नारायण सिंह चौड़ा ने पवित्र दरबार साहिब में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के बेटे पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल की हत्या करनी चाही और पंजाब का माहौल खराब करने की साजिश रची लेकिन आज तक पंजाब सरकार या पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा के आतंकवादी नारायण सिंह चौड़ा की जमानत रद्द करवाने को लेकर हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया। इन आतंकवादियों का खुले आम घूमना पंजाब ही नहीं देश की अमन व शांति के लिए खतरा है। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने पंजाब के मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत की प्रति देश के गृह मंत्री अमित शाह सहित पंजाब के डीजीपी, अमृतसर पुलिस के सीपी को भी भेजी कि नारायण सिंह चौड़ा की जमानत रद्द करवाई जाए क्योंकि आतंकवादी चौड़ा ने पंजाब की अमन और शांति को आग लगाने की कोशिश की और दरबार साहिब परिसर में पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर गोली चलाकर उनकी हत्या करनी चाही जो अकाल तख्त का भी अपमान है और ऐसे में अकाल तख्त के जत्थेदार को आतंकवादी नारायण सिंह चौड़ा को कौम से भी बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। वहीं वीरेश शांडिल्य ने कहा कि जो सोशल मीडिया पर जमानत मिलने के बाद आतंकवादी नारायण सिंह चौड़ा का एक इंटरव्यू चल रहा है जिसमें व सुखबीर बादल पर गोली चलाने व 2004 में बुड़ैल जेल ब्रेक की कहानी सुनाकर पंजाब के हिन्दु सिख भाई चारे में आग लगाना चाहता है और वे लोगों को इंटरव्यू के माध्यम से उकसा पाने की साजिश रची। शांडिल्य ने भेजी शिकायत में नारायण सिंह चौड़ा का इंटरव्यू सोशल मीडिया से तुरंत डिलीट करने की मांग की।

DH EDUCATION CONSULTANTS

Education Consultants

DEALS IN : STUDY VISA TOURIST VISA PR

SCO NO, 115-A 2nd Floor, Sector 119 TDI, SAS NAGAR, Mohali (Punjab)160055

MO NO: 81466-22298

info-dheducation@gmail.com

एसडी कॉलेज में ह्यव्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को 'व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म

निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निमार्ता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे

में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी।

ਜੀਜੀਡੀਐਸਡੀ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੀ ਐਕਟਿੰਗ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਕੀਤੀ ਸ਼ਿਰਕਤ

ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਚਾਰ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ: ਸਿਰਲੇਖ ਵਾਲੀ ਇੱਕ ਦਿਲਚਸਪ ਅਤੇ ਸੂਝਵਾਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਐਕਟਿੰਗ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਫ਼ਿਲਮੀ ਅਦਾਕਾਰਾ ਅਤੇ ਲੇਖਿਕਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਤਾ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਮੁਹਾਰਤ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਹਨਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਹੋਏ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਅਤੇ ਸੰਚਾਰ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਬਿਹਤਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ। ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਅਤੇ ਅਦਾਕਾਰੀ ਕੈਰੀਅਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਦਿਲਚਸਪ ਕਿੱਸੇ ਸੁਣਾਏ ਅਤੇ ਉਸਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਝਾਇਆ ਕਿ ਸੰਘਰਸ਼ ਦਾ ਦੌਰ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਬਣਾ ਜਾ ਤੋੜ ਵੀ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸਫਲ ਹੋਣ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਸ਼ਾਰਟਕੱਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਖ਼ਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਕਦੇ ਵੀ ਇੱਕ ਪੇਸ਼ੇਵਰ ਨੂੰ ਫਿਲਮ ਸੈੱਟ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰੈਕਟਿਕਲ ਵੀ ਬਹੁਤ ਜਰੂਰੀ ਹੈ। ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਕਲਾਵਾਂ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਵਿੱਚ ਮੋਬਾਈਲ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ ਪ੍ਰੋ. ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਰਚਨਾਤਮਕ ਲਿਖਤ ਲਈ ਜਾਣਕਾਰੀ, ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਬੁੱਧੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲਿਖਤ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੈੱਟ ਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ ਸੰਗਠਨ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮਾਈਕ੍ਰੋਡਰਾਮਾ ਅਤੇ ਹੋਮ ਥੀਏਟਰ ਵਰਗੇ ਨਵੇਂ ਰੁਝਾਨ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਸਪੇਸ ਤੇ ਹਮਲਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਰਾਹੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਅਦਾਕਾਰੀ ਤਕਨੀਕਾਂ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ, ਸੰਵਾਦ ਲਿਖਣ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ। ਹਾਜ਼ਰੀਨ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸ, ਸਵੈ-ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਅਤੇ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ ਦੀ ਸਮਝ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਇੰਟਰਐਕਟਿਵ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ, ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਮੀਡੀਆ, ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਸੁਧਾਰ ਦੇ ਸੰਗਮ ਦੀ ਪੜਚੋਲ ਕਰਨ ਦਾ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਮੌਕਾ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਅਤੇ ©➢6“3⇨1 ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੱਸੀ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੁਵਾਰਾਂ ਦਿੱਤੀ ਅੱਜ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੀ ਤਕਨੀਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਰਾਹ ਵੱਲ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਉਦਯੋਗ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਤੋਂ ਸਿੱਖਣ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਨਮੋਲ ਸੂਝ ਮਿਲੀ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰੀਅਰ ਅਤੇ ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਏਗੀ। ਇਸ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਉਂਦੇ ਹੋਏ, ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮੁੱਖੀ ਡਾ. ਪ੍ਰਿਆ ਚੱਢਾ ਨੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਡਿਜੀਟਲ ਯੁੱਗ ਵਿੱਚ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣਾ ਇੱਕ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸਾਧਨ ਹੈ ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਨੇ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਤੋਂ ਪੂਰੇ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਸਸ਼ਕਤ ਬਣਾਇਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸੀ ਸੰਚਾਰਕ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਚਿੰਤਕ ਬਣਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਹਾਰਕ ਅਨੁਭਵ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਨਾਲ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਅਤੇ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਫੀਡਬੈਕ ਦੇ ਨਾਲ, ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਮੀਡੀਆ, ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਕਰੀਅਰ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵਾਂ ਤਜਰਬਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ, ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਯੰਗ ਕਮਿਊਨੀਕੇਟਰਜ਼ ਕਲੱਬ ਦੀਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟਾਂ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤੇ ਗਏ।

Daily Just Punjabi Online News Media

ਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸਵੀ
99885-66300
(ਸੰਗੀਤਕ ਤੇ ਫ਼ਿਲਮੀ ਪੱਤਰਕਾਰ)
ਗੁਰਬਾਜ ਗਿੱਲ 98723-62507
(ਸੰਪਾਦਕ ਅਦਾਰਾ ਜਸਟ ਪੰਜਾਬੀ)

Estd.1935
ਆਨਲਾਈਨ ਪੰਜਾਬੀ ਅਖ਼ਬਾਰ
ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਹਲਚਲ
ਇਸ਼ਤਿਹਾਰ ਦੇਣ ਲਈ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ
ਸੰਪਾਦਕ
ਪਾਲ ਜਲੰਧਰੀ
ਪਾਲ ਜਲੰਧਰੀ +919464977604
ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ ਰੋਹਟੀ ਖਾਸ +917814294945
ਸੰਪਾਦਕ
ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ ਰੋਹਟੀ ਖਾਸ

ਜੀਜੀਡੀਐਸਡੀ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੀ ਐਕਟਿੰਗ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਕੀਤੀ ਸ਼ਿਰਕਤ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ (ਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ/ਬੇਅੰਤ ਸਿੰਘ ਰੋਹਟੀ ਖਾਸ) ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਚਾਰ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 'ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ:' ਸਿਰਲੇਖ ਵਾਲੀ ਇੱਕ ਦਿਲਚਸਪ ਅਤੇ ਸੂਝਵਾਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਐਕਟਿੰਗ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ' ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਫ਼ਿਲਮੀ ਅਦਾਕਾਰਾ ਅਤੇ ਲੇਖਿਕਾਂ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਤਾ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਮੁਹਾਰਤ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਹਨਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਹੋਏ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਅਤੇ ਸੰਚਾਰ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਬਿਹਤਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ । ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਅਤੇ ਅਦਾਕਾਰੀ ਕਰੀਅਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਦਿਲਚਸਪ ਕਿੱਸੇ ਸੁਣਾਏ ਅਤੇ ਉਸਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਝਾਇਆ ਕਿ ਸੰਘਰਸ਼ ਦਾ ਦੌਰ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਬਣਾ ਜਾ ਤੋੜ ਵੀ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਆਪਣੀ ਜਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸਫਲ ਹੋਣ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਸ਼ਾਰਟਕੱਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਖ਼ਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਕਦੇ ਵੀ ਇੱਕ ਪੇਸ਼ੇਵਰ ਨੂੰ ਫਿਲਮ ਸੈੱਟ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰੈਕਟਿਕਲ ਵੀ ਬਹੁਤ ਜਰੂਰੀ ਹੈ!

ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਕਲਾਵਾਂ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਵਿੱਚ ਮੋਬਾਈਲ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ ਪ੍ਰੋ. ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਰਚਨਾਤਮਕ ਲਿਖਤ ਲਈ ਜਾਣਕਾਰੀ, ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਬੁੱਧੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲਿਖਤ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੈੱਟ 'ਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ ਸੰਗਠਨ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮਾਈਕ੍ਰੋਡਰਾਮਾ ਅਤੇ ਹੋਮ ਥੀਏਟਰ ਵਰਗੇ ਨਵੇਂ ਰੁਝਾਨ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਸਪੇਸ 'ਤੇ ਹਮਲਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਰਾਹੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਅਦਾਕਾਰੀ ਤਕਨੀਕਾਂ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ, ਸੰਵਾਦ ਲਿਖਣ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ। ਹਾਜ਼ਰੀਨ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸ, ਸਵੈ-ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਅਤੇ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ ਦੀ ਸਮਝ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਇੰਟਰਐਕਟਿਵ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ। ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ, "ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਮੀਡੀਆ, ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਸੁਧਾਰ ਦੇ ਸੰਗਮ ਦੀ ਪੜਚੋਲ ਕਰਨ ਦਾ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਮੌਕਾ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਅਤੇ NZFTCWA ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੱਸੀ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੁਵਾਰਾਂ ਦਿੱਤੀ ਅੱਜ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੀ ਤਕਨੀਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਰਾਹ ਵੱਲ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਉਦਯੋਗ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਤੋਂ ਸਿੱਖਣ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਨਮੋਲ ਸੂਝ ਮਿਲੀ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰੀਅਰ ਅਤੇ ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਏਗੀ। ਇਸ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਉਂਦੇ ਹੋਏ, ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮੁੱਖੀ ਡਾ. ਪ੍ਰਿਆ ਚੱਢਾ ਨੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਡਿਜੀਟਲ ਯੁੱਗ ਵਿੱਚ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣਾ ਇੱਕ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸਾਧਨ ਹੈ ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਨੇ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਤੋਂ ਪੂਰੇ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਸਸ਼ਕਤ ਬਣਾਇਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸੀ ਸੰਚਾਰਕ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਚਿੰਤਕ ਬਣਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਹਾਰਕ ਅਨੁਭਵ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਨਾਲ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਅਤੇ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਫੀਡਬੈਕ ਦੇ ਨਾਲ, ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਮੀਡੀਆ, ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਕਰੀਅਰ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵਾਂ ਤਜਰਬਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ । ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ, ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਯੰਗ ਕਮਿਊਨੀਕੇਟਰਜ਼ ਕਲੱਬ ਦੀਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟਾਂ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤੇ ਗਏ।

एसडी कॉलेज में 'व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

क्लासरूम किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते: रंधावा

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को 'व्यक्तिगत विकासः अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निमार्ता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं: रंधावा

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमेटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

ਜੀਜੀਡੀਐਸਡੀ ਕਾਲਜ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੀ ਐਕਟਿੰਗ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਕੀਤੀ ਸ਼ਿਰਕਤ

ਸਾਂਝੀ ਖਬਰ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ (ਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ) ਗੋਸਵਾਮੀ ਗਣੇਸ਼ ਦੱਤਾ ਸਨਾਤਨ ਧਰਮ ਕਾਲਜ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਪੋਸਟ ਗ੍ਰੈਜੂਏਟ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਜਨ ਸੰਚਾਰ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ: ਸਿਰਲੇਖ ਵਾਲੀ ਇੱਕ ਦਿਲਚਸਪ ਅਤੇ ਸੂਝਵਾਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਐਕਟਿੰਗ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਫ਼ਿਲਮੀ ਅਦਾਕਾਰਾ ਅਤੇ ਲੇਖਿਕਾਂ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਆ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਤਾ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨਾਲ ਆਪਣੀ ਮੁਹਾਰਤ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਹਨਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਹੋਏ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਅਤੇ ਸੰਚਾਰ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਬਿਹਤਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਿਲ ਕੀਤੀ। ਅਦਾਕਾਰਾ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਨੇ ਆਪਣੇ ਜੀਵਨ ਅਤੇ ਅਦਾਕਾਰੀ ਕਰੀਅਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਦਿਲਚਸਪ ਕਿੱਸੇ ਸੁਣਾਏ ਅਤੇ ਉਸਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਝਾਇਆ ਕਿ ਸੰਘਰਸ਼ ਦਾ ਦੌਰ ਇੱਕ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਬਣਾ ਜਾ ਤੋੜ ਵੀ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਆਪਣੀ ਜਿੰਦਗੀ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸਫਲ ਹੋਣ ਦੇ ਲਈ ਕੋਈ ਸ਼ਾਰਟਕੱਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ ਇਸ ਲਈ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਖਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ਕਲਾਸਰੂਮ ਕਦੇ ਵੀ ਇੱਕ ਪੇਸ਼ੇਵਰ ਨੂੰ ਫਿਲਮ ਸੈੱਟ ਲਈ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ ਉਸ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰੈਕਟਿਕਲ ਵੀ ਬਹੁਤ ਜਰੂਰੀ ਹੈ। ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਕਲਾਵਾਂ ਦੇ ਸੰਬੰਧ ਵਿੱਚ ਮੋਬਾਈਲ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਬਾਰੇ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ ਪ੍ਰੋ. ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਜ਼ਿਕਰ ਕੀਤਾ ਕਿ ਰਚਨਾਤਮਕ ਲਿਖਤ ਲਈ ਜਾਣਕਾਰੀ, ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਬੁੱਧੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਲਿਖਤ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੈੱਟ ਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਅਤੇ ਸੰਗਠਨ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਨਿਰੋਲਾ ਨੇ ਇਹ ਵੀ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਮਾਈਕ੍ਰੋਡਰਾਮਾ ਅਤੇ ਹੋਮ ਥੀਏਟਰ ਵਰਗੇ ਨਵੇਂ ਰੁਝਾਨ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਸਪੇਸ ਤੇ ਹਮਲਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਰਾਹੀਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਅਦਾਕਾਰੀ ਤਕਨੀਕਾਂ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ, ਸੰਵਾਦ ਲਿਖਣ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ। ਹਾਜ਼ਰੀਨ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸ, ਸਵੈ-ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਅਤੇ ਸਿਨੇਮੈਟਿਕ ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣ ਦੀ ਸਮਝ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਇੰਟਰਐਕਟਿਵ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ।

ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਅਜੇ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ, ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਮੀਡੀਆ, ਰਚਨਾਤਮਕਤਾ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਸੁਧਾਰ ਦੇ ਸੰਗਮ ਦੀ ਪੜਚੋਲ ਕਰਨ ਦਾ ਇੱਕ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਮੌਕਾ ਸੀ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਕੁਲਰਾਜ ਰੰਧਾਵਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋ. ਪੀ.ਐਸ. ਨਿਰੋਲਾ ਅਤੇ ©–6"3=1 ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੱਸੀ ਨੇ ਸ਼ਿਰਕਤ ਕੀਤੀ ਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੁਵਾਰਾ ਦਿੱਤੀ ਅੱਜ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੀ ਤਕਨੀਕੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਤਰੱਕੀ ਦੀ ਰਾਹ ਵੱਲ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਉਦਯੋਗ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਤੋਂ ਸਿੱਖਣ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਅਨਮੋਲ ਸੂਝ ਮਿਲੀ ਹੈ ਜੋ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਰੀਅਰ ਅਤੇ ਨਿੱਜੀ ਵਿਕਾਸ ਨੂੰ ਲਾਭ ਪਹੁੰਚਾਏਗੀ। ਇਸ ਉਤਸ਼ਾਹ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਉਂਦੇ ਹੋਏ, ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮੁੱਖੀ ਡਾ. ਪ੍ਰਿਆ ਚੱਢਾ ਨੇ ਬੋਲਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅੱਜ ਦੇ ਡਿਜੀਟਲ ਯੁੱਗ ਵਿੱਚ, ਕਹਾਣੀ ਸੁਣਾਉਣਾ ਇੱਕ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸਾਧਨ ਹੈ ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਨੇ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਤੋਂ ਪੂਰੇ ਹੁਨਰਾਂ ਨਾਲ ਸਸ਼ਕਤ ਬਣਾਇਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਤਮਵਿਸ਼ਵਾਸੀ ਸੰਚਾਰਕ ਅਤੇ ਰਚਨਾਤਮਕ ਚਿੰਤਕ ਬਣਨ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਮਿਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨ ਅਤੇ ਵਿਹਾਰਕ ਅਨੁਭਵ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦੇ ਮੌਕੇ ਨਾਲ ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਬਹੁਤ ਖੁਸ਼ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਅਤੇ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਫੀਡਬੈਕ ਦੇ ਨਾਲ, ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਮੀਡੀਆ, ਪੱਤਰਕਾਰੀ ਅਤੇ ਫਿਲਮ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਕਰੀਅਰ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਚਾਹਵਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵਾਂ ਤਜਰਬਾ ਮਿਲਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਵਿੱਚ, ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਯੰਗ ਕਮਿਊਨੀਕੇਟਰਜ਼ ਕਲੱਬ ਦੀਆਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟਾਂ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤੇ ਗਏ।

क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं : कुलराज रंधावा

चंडीगढ़, स्टेट समाचार।

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को व्यक्तिगत विकास- अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निर्माता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है।कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी।